P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika
E: ISSN NO.: 2349-980X Vol-III* Issue-II* October-2015

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालयों का अध्ययन

प्रेम चन्द गुर्जर
शोधार्थी,
कला, शिक्षा एवं सामाजिक विज्ञान संकाय,
जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

दीपा स्वामी
शोधार्थी,
कला, शिक्षा एवं सामाजिक विज्ञान संकाय,
जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

सारांश

देश की बालिका शिक्षा की स्थिति चिन्तनीय है जिसके लिए केन्द्र व राज्य सरकारों की सहभागिता से विभिन्न प्रयास किये जाते रहे है। विभिन्न शिक्षा नीतियों में इस बात पर जोर दिया गया है कि राष्ट्र के विकास के लिए स्त्री व पुरूष दोनों के लिए एक तरह की समान शिक्षा की जरूरत है। कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय के माध्यम से देश के पिछडे खण्डों में सन् 2007 से विशेष शिक्षा अभियान चला कर बालिका शिक्षा में हो रही विरतत्ता (Drop out) को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय के तहत 75% SC, ST, OBC तथा 25% अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय के चलायी जा रही योजना के तहत राजस्थान के विद्यालयों में योग्य व अनुभवी शिक्षको की कमी है। विद्यालयों में निर्धारित माप दण्ड के अनुसार नामांकन नहीं पाया गया है। विद्यालय में कम्प्यूटर शिक्षा का अभाव देखा गया है। विद्यालयों में भौतिक सुविधाओं का अभाव है। कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय योजना का अध्ययन किया गया है। जिसमें एक शाध के निष्कर्ष के आधार पर यह जाना जा सकता है कि शोध को सफल बनाने का प्रयास किया गया है। विभिन्न शिक्षा नीतियों में इस बात पर जोर दिया गया है कि राष्ट्र के विकास के लिए स्त्री व पुरूष दोनों के लिए एक तरह की समान शिक्षा की जरूरत है। स्त्री शिक्षा के विकास के प्रत्येक पहलु पर विशेष ध्यान दिये जाने की जरूरत है।

मुख्य शब्द : KGBV, मॉडल- I, मॉडल -III

प्रस्तावना

देश की बालिका शिक्षा की स्थिति चिन्तनीय है जिसके लिए केन्द्र व राज्य सरकारों की सहभागिता से विभिन्न प्रयास किये जाते रहे है। विभिन्न शिक्षा नीतियों में इस बात पर जोर दिया गया है कि राष्ट्र के विकास क लिए स्त्री व पुरूष दोनों के लिए एक तरह की समान शिक्षा की जरूरत है। प्राथमिक स्तर पर बालिकाओं का अपव्यय रोकने के लिए विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं। इनमें ''राष्ट्रीय बालिका प्रारंभिक शिक्षा योजना'' के अन्तर्गत बालिकाओं का प्राथमिक नामांकन अधिकाधिक हो, इसके लिए विभिन्न प्रकार की कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। शैक्षिक रूप से पिछडे हुए ब्लॉक में सर्व शिक्षा अभियान की सहायता NPEGEL योजना के अन्तर्गत बालिकाओं को प्राथमिक शिक्षा सुलभ कराने हेतु कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालयों की स्थापना की गई है। यह योजना भारत सरकार द्वारा मानव संसाधन मंत्रालय के अधीन 1 अप्रैल 2004 से चलाई जा रही है। कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय उन स्थानों पर खोले गये जहाँ पिछड ब्लॉकों में 2001 की जनगणना के अनुसार ग्रामीण महिला साक्षरता राष्ट्रीय औसत (46.13%) से कम तथा साक्षरता में लिंग अनुपात राष्ट्रीय औसत (21.59%) से ज्यादा है।

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय योजना का शुभारंभ राष्ट्रीय बालिका प्रारंभिक शिक्षा कार्यक्रम (NPEGEL) एवं महिला सामख्या (MS) के तालमेल में प्रथम दो वर्ष चलायी गई जिस बाद में 1 अप्रैल 2007 में शिक्षा अभियान के अलग तत्व के रूप में शामिल किया गया है। ऐसे क्षेत्र जिनमें छोटी तथा बिखरी हुई बस्तियाँ ज्यादा है लेकिन जहाँ विद्यालयों की व्यवस्था नहीं है, वहाँ बालिका शिक्षा में विरतत्ता (Drop out) को रोकने के लिए कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालयों की स्थापना की गई है जिनका निम्न उद्देश्य है–

1. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण कराना।
2. विरतत्ता (Drop out) बालिकाओं को पुनः विद्यालयों से जोड़ना।
3. ग्रामीण क्षेत्र की अनामांकित किशोर बालिकाओं को प्रोत्साहित कर

शिक्षा से जोड़ना।

4. उच्च प्राथमिक स्तर पर वंचित बालिकाओं को गुणवत्तापूर्वक आवासीय विद्यालय उपलब्ध करवाना।

इस उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इन विद्यालय में 75% SC, ST, OBC तथा अल्पसंख्यक वर्ग की बालिका तथा 25% गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों की बालिकाओं को प्रवेश दिया है।

यह योजना राजस्थान राज्य के शैक्षिक रूप से पिछड़े 186 ब्लॉक में चलाई जा रही है। केन्द्र सरकार ने इन विद्यालयों को तीन वर्गों में बाँटा गया है जिनमें से राज्य सरकार ने मॉडल–I तथा मॉडल–III को स्वीकार किया है। राज्य में 131 कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय मॉडल–I तथा 55 कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय मॉडल–III के विद्यालय स्थापित किये गए है।

भारत सरकार के द्वारा सर्व शिक्षाअभियान योजना के तहत चलाये जा रहे कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय क्या अपने निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति कर पा रहे हैं? क्या दी जाने वाली सुविधा का सदुपयोग किया जा रहा है? इन विद्यालयों की वस्तु स्थिति क्या है? शोधकर्ता ने इस प्रश्नों को जानने के लिए कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय से सम्बन्धित अध्ययन क्षेत्र को चुना है।

समस्या कथन

उक्त तथ्यों को ध्यान में रखकर शोधकर्ता ने अपने शोध का शीर्षक इस प्रकार निर्धारित किया गया है–

''कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालयों का अध्ययन।''

"A Study of Kasturba Gandhi Girl's Residential Schools."

अध्ययन के उद्देश्य

शोधकर्ता ने निम्न शोध उद्दश्यों को ध्यान में रखते हुए शोध अध्ययन किया है–

1. कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय के संगठन, प्रशासन, आयोजन एवं पर्यवेक्षण का अध्ययन करना।
2. कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय के भौतिक संसाधनों का पता लगाना।
3. कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय म छात्राओं की दी जाने वाली सुविधाओं का पता लगाना।
4. कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय की शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों का पता लगाना।
5. कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालयों में छात्राओं को दी जाने वाले शैक्षिक अवसरों एवं उनके उपयोग का पता लगाना।
6. कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय की बालिकाओं एवं अध्यापिकाओं की समस्याओं का पता लगाना।

अध्ययन विधि

किसी भी शोधकर्ता में अध्ययन विधि का चयन करना सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। गलत या त्रुटिपूर्ण विधि के चयन से शोधकार्य की विश्वसनीयता, वैधता तथा उपयोगिता का ह्रास होता है।

किसी भी व्यवस्था के सही क्रियान्वयन एवं तत्कालीन परिस्थितियों की आवश्यक जानकारी प्राप्त करने हेतु सर्वेक्षण विधि का चयन उपयुक्त रहता है।

प्रस्तुत शोधकार्य की प्रकृति एवं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शोध अध्ययन हेतु सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है।

अध्ययन उपकरण

अन्य अनुसंधानों की भांति शैक्षिक अनुसंधान में भी प्रदत्तों का संकलन, सारणीयन, विश्लेषण एवं व्याख्या की आवश्यकता होती है। आँकड़ों के संकलत हेतु स्वनिर्मित उपकरणों का प्रयोग किया गया है जो निम्न प्रकार है–

1. अध्यापिकाओं के लिए स्वनिर्मित प्रश्नावली का निर्माण किया गया है।
2. प्रधानाध्यापिकाओं एवं छात्रावास अधीक्षक हेतु साक्षात्कार अनुसूची का निर्माण किया गया है।

अध्ययन प्रविधि/सांख्यिकी तकनीकी

शोधकर्ता ने शोध के दत्तों के विश्लेषण हेतु प्रतिशतता प्रविधि को अपनाया गया।

न्यादर्श चयन

न्यादर्श का चयन किसी भी अनुसंधान के आधारशिला होती है।

गुड एवं हैट (1952) के अनुसार– ''न्यादर्श चयन का मुख्य लाभ यह है कि एक बहुत बड़े समूह का छोटे समूह पर अध्ययन करे, यह अच्छा है क्योंकि छोटे समूह का अध्ययन गहन होता है।''

अध्ययन में न्यादर्श चयन इस प्रकार किया गया है–

1. राजस्थान के अलवर जिले में थानागाजी व राजगढ की दो क.जी.बी.वी.एस. का चयन सौद्देश्य प्रतिचयन विधि से किया गया है।
2. दोनों विद्यालय से 100 छात्राओं का चयन सौद्देश्य प्रतिचयन विधि से किया गया है।
3. दोनों विद्यालय के उपलब्ध अध्यापिकाओं का चयन किया गया है।

निष्कर्ष

क.जी.बी.वी.एस. में प्रशासनिक एवं संगठन के क्रियान्वयन का निष्कर्ष

के.जी.बी.वी.एस. विद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था के क्रियान्वयन के लिए अध्यापिकाओं की प्रश्नावली, प्रधानाध्यापिकाओं एवं छात्रावास अधीक्षक से साक्षात्कार के प्राप्त दत्तों के संकलनों से निष्कर्ष निकलता है कि–

1. यह सर्व शिक्षा अभियान द्वारा बालिका शिक्षा हेतु चलाई जाने वाली एक योजना है जिससे राज्य स्तर पर कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय समिति संचालित करती है।
2. के.जी.बी.वी.एस. अभी प्रारंभिक अवस्था में है तथा इसकी कई समस्याएँ है जिसका प्रशासन को सामना करना पड़ रहा है।
3. सचिव स्तर का अधिकारी समस्त गतिविधि संचालित करता है।

4. जिला स्तर पर जिलाधीश की जिम्मेदारी सौंपी गई है जिसमें प्रारंभिक स्तर का शिक्षा अधिकारी सचिव होता है तथा कार्यकारी अधिकारी होता है।
5. संस्था स्तर पर एक संचालन समिति बनी हुई होती है जिसका कार्यकारी खण्ड संदर्भ अधिकारी होता है।
6. प्रधानाध्यापिका पूरे समय शैक्षिक गतिविधि को संभालती है।
7. सीआरपीएफ बाहरी कार्यों की जिम्मेदारी संभालता है। लेकिन अन्य सरकारी विद्यालयों को संभालने के दायित्व उन पर होने के कारण पूरा समय नहीं दे पाता है।
8. क.जी.बी.वी.एस. में अध्यापिकाओं का पद रिक्त रहना भी प्रशासन को प्रभावित कर रहा है।
9. स्टॉफ योग्य एवं अनुभवी नहीं है।
10. विद्यालयों में पुस्तकायलय की कमी है।

शैक्षिक अवसरों के उपयोग संबंधी निष्कर्ष

केजीबीवीएस मॉडल–I तथा मॉडल–III के विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार ह–

सारणी–4.2

विद्यालय 'A' की कक्षावार बालिकाओं का विवरण

कक्षा–VI				कक्षा–VII				कक्षा–VIII			
Gen.	ST	SC	OBC	Gen.	ST	SC	OBC	Gen.	ST	SC	OBC
2	31	2	5	5	19	10	2	2	12	3	6
Total = 40				Total = 36				Total = 23			
								Total = 99			

सारणी–4.3

विद्यालय 'B' की कक्षावार बालिकाओं का विवरण

कक्षा–VI				कक्षा– VII				कक्षा– VIII			
Gen.	ST	SC	OBC	Gen.	ST	SC	OBC	Gen.	ST	SC	OBC
2	2	1	8	1	5	11	2	-	3	4	11
Total = 13				Total = 19				Total = 18			
								Total = 50			

1. दोनों प्रकार के विद्यालयों में अनुसूचित जनजाति बालिकाओं का नामांकन क्रमशः 62% एवं 20% है।
2. दोनों प्रकार के विद्यालयों में अनुसूचित जाति बालिकाओं का नामांकन क्रमशः 15% एवं 32% है।
3. दोनों प्रकार के विद्यालयों में अन्य पिछड़ा वर्ग की बालिकाओं का नामांकन क्रमशः 13% एवं 42% है।
4. दोनों प्रकार के विद्यालयों में सामान्य वर्ग की गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाली बालिकाओं का नामांकन क्रमशः 9% एवं 6% है।
5. दोनों प्रकार के विद्यालयों में अल्पसंख्यक वर्ग की एक भी बालिकाओं नहीं है।
6. सभी बालिकाओं के घर से विद्यालय की दूरी 5 किमी से ज्यादा है।

कस्तूबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय की आयोजना एवं पर्यवेक्षण से संबंधित निष्कर्ष

1. प्रधानाध्यापिका द्वारा अध्यापिकाओं की सलाह को स्वीकार नहीं किया जाता है।
2. विभाग के मानदण्डानुसार के अनुसार अध्यापिकाओं को कालांश वितरित किये जाते हैं।
3. अध्यापिकाओं के शिक्षण कार्य का प्रधानाध्यापिका द्वारा मानवीय दृष्टिकोण से पर्यवेक्षण किया जाता है।
4. विद्यालय में अध्यापिकाओं को रूचि एवं योग्यता के अनुसार विषय दिये जाते हैं।

के.जी.बी.वी.एस. की शैक्षिक व्यवस्था संबंधित निष्कष

1. कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय में कक्षा 6,7,8 सत्र 2005–06 से चल रही है।
2. अधिगम को प्रभावी बनाने के लिए सहायक सामग्री का प्रयोग नहीं किया जाता है।
3. विद्यालय में कम्प्यूटर शिक्षण की व्यवस्था नहीं है।
4. शिक्षण में कमजोर बालिकाओं हेतु शिक्षण की अतिरिक्त व्यवस्था करवाई जाती है।
5. विभाग द्वारा दी जाने वाली TLM सामग्री समय पर उपलब्ध नहीं होती है।

के.जी.बी.वी. की सह–शैक्षिक गतिविधि संबंधित निष्कर्ष

1. विद्यालय में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कायक्रमों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता है।
2. पाठ्यसहगामी क्रियाएँ जैसे– चित्रकला, हस्तकला, सिलाई आदि बालिकाओं को सीखाया जाता है।
3. विद्यालय में बालसभा का आयोजन करवाया जाता है।
4. विद्यालय में खेलों पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है।
5. विद्यालयों में राष्ट्रीय पर्वों के आयोजन पर गणमान्य व्यक्तियों को बुलाया जाता है, लेकिन उनसे बालिकाओं को रूबरू नहीं करवाया जाता है।
6. विद्यालय में अभिभावक–अध्यापक संघ की बैठक नियमित रूप से आयोजित की जाती है।
7. बालिकाओं को प्रतिवर्ष भ्रमण पर ले जाया जाता है।

के.जी.बी.वी. के भौतिक संसाधन व्यवस्था संबंधित निष्कर्ष

1. विद्यालय–ए तो सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत निर्धारित मापदण्डों पर बने भवन में चलाया जाता है जबकि दूसरा विद्यालय–बी किराये के भवन में चलाया जा रहा है।
2. कक्षा–कक्षों की पर्याप्त व्यवस्था है।
3. कक्षा–कक्षों में श्यामपट्ट, फर्नीचर, रोशनदान आदि की व्यवस्था है।
4. दोनों प्रकार के विद्यालयों में स्टॉफ रूम की कमी है।
5. विद्यालयों में बिजली पानी की पर्याप्त व्यवस्था है।
6. विद्यालयों में छात्रावास की व्यवस्था संतोषजनक है।
7. विद्यालयों में खेल के मैदान का अभाव है।

के.जी.बी.वी. में बालिकाओं को दी जान वाली सुविधाएँ से संबंधित निष्कर्ष

1. सभी बालिकाओं को निःशुल्क पुस्तक उपलब्ध करवाई जाती है।
2. पाठ्यपुस्तकों के अलावा अन्य मनोरंजन की पुस्तक उपलब्ध नहीं करवाई जाती है।
3. राष्ट्रीय पर्वों एवं प्रत्येक रविवार को विशेष भोजन की व्यवस्था की गई है।
4. बालिकाओं के रहने के लिए छात्रावास उत्तम है।
5. छात्रावास में चारपाई, बिस्तर एवं अन्य सुविधाएँ की व्यवस्था संतोषजनक है।
6. छात्रावास में बालिकाओं के मनोरंजन के साधनों का अभाव है।
7. बलिकाओं के स्वास्थ्य की जाँच प्रतिमाह नहीं करवायी जाती है।
8. विद्यालयों में बालिकाओं को आयरन एवं विटामिन की टेबलेट नहीं खिलाई जाती है।
9. दैनिक जीवन के लिए आवश्यक सामान आवश्यकतानुसार उपलब्ध करवाया जाता है।
10. निजी खर्च के लिए नकद रूपये नहीं दिये जाते है।

शैक्षिक निहितार्थ

प्रस्तुत शोध ''कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालयों के अध्ययन'' द्वारा कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालयों से सम्बन्धित विभिन्न गतिविधि यथा–प्रशासनिक व्यवस्था सम्बन्धित गतिविधि, आयोजना एवं पर्यवेक्षण संबंधी गतिविधि, शैक्षिक एवं सह–शैक्षिक गतिविधि इत्यादि में अपेक्षित सुधार किया जा सकेगा।

इस अध्ययन के आधार पर इन विद्यालयों में विभिन्न वर्गों की वंचित बालिकाओं की निर्धारित अनुपात में प्रवेश देने का प्रयास करना चाहिए ताकि शैक्षिक अवसरों की असमानता को कम किया जा सके।

प्रस्तुत शोध कार्य में दिये गये सुझावों के आधार पर सुधार करने पर बालिका शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक एवं मात्रात्मक दृष्टि से प्रगति हो सकेगी। प्रस्तुत शोध से भविष्य में किये जाने वाले शोध कार्य के संबंध में शोधकर्ताओं को आवश्यक दिशा निर्देश मिल सकेगा।

उपसंहार

प्रस्तुत शोध कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालयों से सम्बन्धित है। शोधकर्ता द्वारा किया गया यह प्रारंभिक प्रयास छोटे न्यादर्श पर है। अतः निष्कर्षों की व्यापकता के संबंध में भविष्यवाणी तो नहीं की जा सकती है, किन्तु इतना अवश्य है कि भविष्य में शोधकर्ताओं हेतु यह शोध एक प्रारंभिक भूमिका अदा करेगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची

Books

1. अग्निहोत्री, रविन्द्र, ओड,: भारतीय शिक्षा की वर्तमान समस्याएँ, जयपुर।
2. एल. (1980) : राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
3. ओड़ एल.के. (1990) : शिक्षा के नूतन आयाम, जयपुर राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
4. अग्रवाल, जे.सी. (2001) : भारत में नारी शिक्षा, नई दिल्ली।
5. पाण्डेय, रामशक्ल एवं मिश्रा (1990) : भारतीय शिक्षा की ज्वलन्त समस्याएँ।
6. सुखववाल, घनश्याम : राजस्थान में शिक्षा, उदयपुर, अंकुर प्रकाशन।

पत्र–पत्रिकाएँ

7. भारत (2007) : शिक्षा, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
8. Buch, M.B. (1988-92) : Survey of Research in Education, New Delhi, NCERT, Vol.4.
9. Good, C.V. (1959) : Dictionary of Education, New York McGraw Hill Book Company.
10. देसाई, जे. अशोक (2005) : ''हिम्मतनगर शहर में प्राथमिक स्तर पर अन्य पिछड़ी जाति की कन्याओं की शैक्षिक स्थिति'' मो.ला.सु.वि.वि. उदयपुर।
11. गुरमानी, मंजु (2004) :''वल्लभनगर तहसील की अनुसूची जनजाति बालिकाओं की प्राथमिक शिक्षा में पलायन की स्थिति एवं कारण'', मो.ला.सु.वि.वि. उदयपुर।
12. सरूपरिया, पुष्पा (1988) :''आश्रम विद्यालय का एक अध्ययन'' मो.ला.सु.वि.वि. उदयपुर।
13. शर्मा, नरोत्तम (1988) :''नवोदय विद्यालय का प्रशासनिक स्वरूप एवं कार्यान्वयन'',, मो.ला.सु.वि.वि. उदयपुर।

प्रकाशित शोध

14. Nagar, Usha (1992) : Study of Dropout and Non-Enrolment among Girls in Rural Haryana, New Delhi, NCERT.
15. Pandit, R.V. (1989): Girls Dropout in School Education: Cause and Remedial Measures, Pune, MSCERT.
16. Patel, S.P. (1978) : Education Opportunity for the Children of Urban Slums in Delhi, Delhi University.

Website

17. www.dissertation.com
18. www.education.nic.in.com
19. www.lib.umi.com/dissertation